DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 October, 2023

विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2023

संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन वैश्विक स्वास्थ्य के लिए एक अद्वितीय अंतर्राष्ट्रीय रणनीतिक मंच है जो प्रत्येक वर्ष 15 से 17 अक्टूबर तक बर्लिन में आयोजित किया जाता है।

- **कार्यक्रम की तारीख और स्थान:** विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन, 2023; 15 से 17 अक्टूबर तक बर्लिन, जर्मनी में होने वाला है। यह ऑनलाइन भी उपलब्ध होगा।
- **थीम:** इस वर्ष के शिखर सम्मेलन का विषय "वैश्विक स्वास्थ्य कार्रवाई के लिए एक निर्णायक वर्ष" है।
- **हितधारक भागीदारी:** इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों से आए राजनीति, विज्ञान, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज के व्यक्तियों सहित विभिन्न प्रकार के हितधारकों को एक साथ लाना है।
- **शिखर सम्मेलन का उद्देश्य:** शिखर सम्मेलन का प्राथमिक उद्देश्य सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण के लिए नवीन समाधानों को बढ़ावा देकर वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को आकार देना है।
- **केंद्रीय विषय:** विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन 2023 में चर्चा के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:
    - भविष्य की महामारियों के प्रति तैयारी और प्रतिक्रिया बढ़ाने के लिए कोविड-19 के अनुभव से सीखना।
    - सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना।
    - लोगों और पृथ्वी दोनों के लिए सतत स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।
    - वैश्विक स्वास्थ्य समानता और सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए G7/G20 द्वारा उपायों की खोज करना।
    - वैश्विक स्वास्थ्य के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों की क्षमता का उपयोग करना।
    - विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 75वीं वर्षगांठ मनाना।
    - तपेदिक के खिलाफ प्रयासों में तेजी लाने के लिए नवाचारों का उपयोग करना।

WHS 2023 में भारत

- भारत गैर-संचारी रोग (एनसीडी) के प्रभाव को कम करने के लिए एक व्यापक रणनीति पर जोर दे रहा है।
- "75/25 पहल" का लक्ष्य 2025 तक उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित 75 मिलियन व्यक्तियों की जांच करना और देखभाल प्रदान करना है।
- सरकार 2023-2024 में एनसीडी उपचार को बजटीय प्रतिबद्धता के रूप में शामिल करती है।
- भारत ने 2010 में एनसीडी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू किया गया है।
- आयुष्मान भारत पहल एसडीजी और यूएचसी के अनुरूप है।
- जनसंख्या-आधारित स्क्रीनिंग सामान्य एनसीडी जोखिम मूल्यांकन के लिए 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों को लक्षित करती है।
- ई-संजीवनी एनसीडी के लिए टेलीपरामर्श सेवाएं प्रदान करती है।
- यह अन्य मंत्रालयों के साथ सहयोग स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है।
- डिजिटल स्वास्थ्य प्रौद्योगिकियां एनसीडी प्रबंधन में सुधार करती हैं।
- राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल स्क्रीनिंग और देखभाल के लिए डेटा एकत्र करता है।
- भारत एनसीडी नियंत्रण के लिए वैश्विक सहयोग पर जोर देता है।

गैर - संचारी रोग

- गैर-संचारी रोग (एनसीडी) स्वास्थ्य स्थितियां हैं जो संक्रामक एजेंटों के कारण नहीं होती हैं और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में प्रसारित नहीं होती हैं। सामान्य उदाहरणों में हृदय संबंधी रोग, कैंसर, पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियाँ और मधुमेह शामिल हैं।
- गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के परिणामस्वरूप 41 मिलियन वार्षिक मौतें होती हैं, जो वैश्विक मौतों का 74% है।
- प्रत्येक वर्ष, 17 मिलियन व्यक्ति 70 वर्ष की आयु से पहले एनसीडी का शिकार होते हैं, इनमें से 86% शुरुआती मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।
- एनसीडी से होने वाली सभी मौतों में से 77% निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।
- हृदय संबंधी बीमारियाँ एनसीडी से होने वाली मौतों का प्राथमिक कारण हैं, जिससे वार्षिक तौर 17.9 मिलियन लोगों की जान जाती है, इसके बाद कैंसर (9.3 मिलियन), पुरानी श्वसन संबंधी बीमारियाँ (4.1 मिलियन), और मधुमेह (किडनी रोग से होने वाली मौतों सहित) से 2.0 मिलियन लोग प्रभावित होते हैं।
- ये चार रोग श्रेणियां 80% से अधिक असामयिक एनसीडी मौतों के लिए जिम्मेदार हैं।
- एनसीडी मृत्यु दर के जोखिम कारकों में तंबाकू का उपयोग, शारीरिक निष्क्रियता, हानिकारक शराब का सेवन, अस्वास्थ्यकर आहार और वायु प्रदूषण शामिल हैं।
- एनसीडी का पता लगाना, स्क्रीनिंग करना, इलाज करना और नियंत्रक देखभाल प्रदान करना एनसीडी संकट को संबोधित करने के आवश्यक कारक हैं।

M8 एलायंस

- M8 एलायंस विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन का शैक्षणिक आधार है।
- इसमें इंटरएकेडमी पार्टनरशिप (आईएपी) सहित 31 वैश्विक सदस्य शामिल हैं।
- वर्ष 2009 में पहले विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन के दौरान चैरिटे - यूनिवर्सिटेट्समेडिज़िन (Charité - Universitätsmedizin) बर्लिन द्वारा शुरू किया गया।
- विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन की अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्षता एम 8 एलायंस के सदस्यों के बीच प्रतिवर्ष बदलती रहती है।
- इसमें अकादमिक स्वास्थ्य केंद्र, विश्वविद्यालय और चिकित्सा और विज्ञान की राष्ट्रीय अकादमियां शामिल हैं।
- इसका उद्देश्य वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को आकार देना और वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए विज्ञान-आधारित समाधान खोजना है।
- प्रत्येक विश्व स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन के बाद सिफारिशों के साथ M8 गठबंधन घोषणा जारी करता है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- वार्षिक क्षेत्रीय बैठकें, विशेषज्ञ बैठकें और ग्रीष्मकालीन स्कूलों का आयोजन करता है।
- प्रवासी और शरणार्थी स्वास्थ्य सहित विभिन्न मुद्दों पर सहयोग करता है।

भारतीय रक्षा में यूएवी

संदर्भ: चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने तीनों सेनाओं के लिए यूएवी की आवश्यक संख्या निर्धारित करने के लिए दो अध्ययन शुरू किए हैं।

- यूएवी पर पहले अध्ययन में **31 एमक्यू-9बी हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) यूएवी** और **155 मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (माले)** यूएवी प्राप्त करने की सिफारिश की गई थी।
- इन अध्ययनों का लक्ष्य दोहराव से बचते हुए संख्या और संसाधनों को अनुकूलित करना है।
- शस्त्रीकरण और उपग्रह संचार के साथ इजरायली हेरॉन यूएवी के उन्नयन हेतु अनुमानित 21,000 करोड़ रुपये को मंजूरी मिलने की उम्मीद है।
- रक्षा मंत्रालय ने जनरल एटॉमिक्स से 31 एमक्यू-9बी यूएवी की खरीद को मंजूरी दे दी है।
- सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी ने सेना के लिए 39 एएच-64 अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टरों की खरीद को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।
- भारत ने फरवरी 2020 में सेना के लिए छह और अपाचे के सौदे पर हस्ताक्षर किए, और डिलीवरी फरवरी 2024 में शुरू होने वाली है।

भारत में स्वदेशी ड्रोन

- **डीआरडीओ अभ्यास**: भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ADE) द्वारा विकसित हाई-स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (HEAT)।
- **डीआरडीओ घातक**: एडीई द्वारा भारतीय वायु सेना के लिए विकसित गुप्त मानव रहित लड़ाकू वायु वाहन (यूसीएवी)। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (ए. डी. ए.) ने इसका डिजाइन तैयार किया है।
- **डीआरडीओ Archer**

भारत-अमेरिका संयुक्त ALUAV टारगेट ड्रोन

- **RUAV 200**
- **अडाणी Hermes 900**
- **त्रिनेत्र (Trinetra) UAV**
- **हैल कैट (Hal Cats)**: यह एचएएल और न्यूस्पेस आर एंड डी के निवेश के साथ, एचएएल कॉम्बैट एयर टीमिंग सिस्टम प्रोग्राम का हिस्सा है।
- **डीआरडीओ रुस्तम**: यह तीनों भारतीय सशस्त्र बलों के लिए मध्यम एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस यूएवी विकसित किया गया, जो हेरॉन यूएवी को प्रतिस्थापित करने के लिए तैयार है।
- **तापस-बीएच-201**: यह एडीई द्वारा विकसित उच्च-ऊंचाई वाली यूएवी, जनरल एटॉमिक्स के एमक्यू-1 प्रीडेटर के समान है।
- **डीआरडीओ Fluffy**: यह सीमित प्रक्षेपण क्षमताओं के साथ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा उपयोग किया जाने वाला एक ड्रोन है।
- **डीआरडीओ इंपीरियल ईगल**: यह सैन्य उपयोग के लिए वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान और वाणिज्यिक विक्रेताओं द्वारा विकसित हल्के वजन वाला मिनी-यूएवी है।
- **डीआरडीओ Kapothaka**: यह टोही प्रौद्योगिकी वाली मिनी-यूएवी है जो, निशांत यूएवी प्रणाली का अग्रदूत भी है।
- **DRDO लक्ष्य**: इस प्रकार के उच्च गति के ड्रोन का उपयोग प्रशिक्षण और टोही (खोज करने) के लिए किया जाता है।
- **डीआरडीओ नेत्र**: यह निगरानी और टोही मिशनों के लिए हल्के वजन वाला स्वायत्त यूएवी है।
- **DRDO निशांत**: यह ख़ुफ़िया जानकारी जुटाने, टोह लेने और विभिन्न अभियानों के लिए 4.5 घंटे की सहनशक्ति वाला यूएवी है।
- **डीआरडीओ उल्का**: यह हवा से प्रक्षेपित किया जाने वाला डिस्पोजेबल ड्रोन है, इसे सबसोनिक या सुपरसोनिक विमानों के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **आईएआई-एचएएल (IAI-HAL NRUAV)**: इसे भारतीय नौसेना के लिए इज़राइल में IAI और भारत में HAL द्वारा रोटरक्राफ्ट परियोजना के तहत विकसित किया गया है।
- **मरल (Maraal)**
- **एनएएल स्लीबर्ड (Slybird):** यह पुलिस और सैन्य उपयोग के लिए एनएएल द्वारा विकसित मिनी यूएवी है।
- **पवन यूएवी**: इसे भारतीय सशस्त्र बलों और इज़राइल विमान उद्योगों के लिए मानव रहित हवाई वाहन के रूप में विकसित किया गया है।

ड्रोन का उपयोग

- **निगरानी**: ड्रोन दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और संभावित खतरों की पहचान करने तथा सैन्य तैयारियों को बढ़ाने में उत्कृष्ट हैं।
- **सैनिक परीक्षण**: ड्रोन अवस्थिति, दुश्मन की स्थिति और मिशन को प्रभावित करने वाले कारकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र करने, अधिक प्रभावी सैन्य योजना और निष्पादन में सहायता करने के लिए आवश्यक हैं।
- **लक्षित हमले**: मिसाइलों और हथियारों से लैस, ड्रोन दुश्मन के ठिकानों पर सटीक हमला करते हैं, खासकर उन स्थितियों में जहां मानवयुक्त विमान अव्यावहारिक या जोखिम भरा हो सकता है।
- **खोज और बचाव**: ड्रोन खोज और बचाव कार्यों, पता लगाने और सुदूर या खतरनाक क्षेत्रों में खोए हुए या घायल सैनिकों को निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **संचार एवं समन्वय**: ड्रोन सैन्य इकाइयों के बीच संचार संपर्क स्थापित करते हैं, कमांडरों को वास्तविक समय डेटा पहुंचाते हैं, जिससे क्षेत्र में समन्वय और स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार होता है।
- **लागत क्षमता**: ड्रोन लागत प्रभावी होते हैं, अक्सर आसानी से उपलब्ध घटकों से इकट्ठे होते हैं, जिससे वे सैन्य उपयोग के लिए सुलभ उपकरण बन जाते हैं।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

16 October, 2023

क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसीईपी)

संदर्भ: श्रीलंका और बांग्लादेश आरसीईपी के सदस्य बनने की संभावना पर विचार कर रहे हैं।

- भारत के व्यापार समझौते से बाहर होने के चार वर्ष बाद श्रीलंका और बांग्लादेश आरसीईपी में सदस्यता तलाश रहे हैं।
- श्रीलंका ने आरसीईपी सदस्यता के लिए आवेदन किया है और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने बीजिंग में बीआरआई फोरम की अपनी यात्रा के दौरान समर्थन मांगा है।
- बांग्लादेश की सरकार आरसीईपी सदस्यता पर विचार कर रही है, जनवरी 2024 के राष्ट्रीय चुनावों के बाद इस पर निर्णय होने की उम्मीद है, जैसा कि उसके वाणिज्य मंत्रालय ने सिफारिश की है।

आर सी ई पी

- आरसीईपी, या क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी, एक मुक्त व्यापार समझौता है जिसमें 15 एशिया-प्रशांत देश शामिल हैं: ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, और वियतनाम। ये देश वैश्विक आबादी का लगभग 30% (2.2 बिलियन लोग) और दुनिया की 30% जीडीपी ($29.7 ट्रिलियन) का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो इसे इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समूह बनाता है।
- नवंबर 2020 में हस्ताक्षरित, आरसीईपी चीन, इंडोनेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया सहित प्रमुख एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बीच पहला मुक्त व्यापार समझौता है।
- आरसीईपी की अवधारणा 2011 में बाली, इंडोनेशिया में आसियान शिखर सम्मेलन में विकसित की गई थी और औपचारिक वार्ता 2012 में कंबोडिया में आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू हुई थी। भारत आएम्भ में इस वार्ता में शामिल था, बाद में उसने इससे इन्कार कर दिया। हालाँकि, भारत के पास किसी भी समय इस समूह में शामिल होने का विकल्प उपलब्ध है, और क्षेत्र के अन्य देश भी 1 जुलाई, 2023 से इसमें शामिल हो सकते हैं।
- आरसीईपी पर औपचारिक हस्ताक्षर 15 नवंबर, 2020 को वियतनाम द्वारा आयोजित वर्चुअल आसियान शिखर सम्मेलन के दौरान हुआ। इसके साथ ही यह व्यापार समझौता 1 जनवरी, 2022 को इसे अनुमोदित करने वाले पहले दस देशों के लिए प्रभावी हो गया।
- संभावित आरसीईपी सदस्यों की संयुक्त जीडीपी 2050 तक 100 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने का अनुमान लगाया गया था, जो टीपीपी अर्थव्यवस्थाओं के अनुमानित आकार से लगभग दोगुना है।
- वर्ष 2020 के अनुमान के अनुसार आरसीईपी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में 186 बिलियन डॉलर के वृद्धि होने की उम्मीद थी।
- आरसीईपी में आय स्तर के संदर्भ में विभिन्न देशों को शामिल किया गया है। 20 साल की अवधि में, इसके सदस्य देशों के बीच आयात पर लगभग 90% टैरिफ को खत्म करने और ई-कॉमर्स, व्यापार और बौद्धिक संपदा के लिए सामान्य नियम स्थापित करने की उम्मीद है।
- विश्लेषकों का अनुमान है कि आरसीईपी हस्ताक्षरकर्ता देशों को पर्याप्त आर्थिक लाभ पहुंचाएगा, महामारी के बाद आर्थिक सुधार में योगदान देगा और एशिया में आर्थिक केंद्र को स्थानांतरित करेगा, जिसमें चीन क्षेत्रीय व्यापार नियमों को आकार देने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, यह क्षेत्र आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव में संभावित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका पर हावी रहेगा।
- हालाँकि, आरसीईपी पर प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग होती हैं, कुछ लोग तटस्थता या नकारात्मकता व्यक्त करते हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि व्यापार समझौते से आर्थिक लाभ अपेक्षाकृत मामूली हो सकता है।
- गौरतलब है कि आरसीईपी को ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल जैसे संगठनों की आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसने समझौते के भीतर श्रम अधिकारों, मानवाधिकारों और पर्यावरणीय स्थिरता के मुद्दों की उपेक्षा के बारे में चिंता जताई है।

भारत RCEP में शामिल क्यों नहीं हुआ?

- आरसीईपी में चीन जैसे देशों में बाजार पहुंच और भारतीय कंपनियों पर गैर-टैरिफ बाधाओं का स्पष्ट आश्वासन नहीं था।
- वित्त वर्ष 2019 में भारत को 16 आरसीईपी देशों में से 11 के साथ व्यापार घाटा हुआ था।
- आरसीईपी देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा 5-6 वर्षों में लगभग दोगुना हो गया, 2013-14 में 54 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2018-19 में 105 बिलियन डॉलर हो गया, जिसमें चीन का योगदान 52 बिलियन डॉलर था।
- भारत एक निश्चित सीमा पार करने पर आयात पर टैरिफ बढ़ाने के लिए एक ऑटो-ट्रिगर तंत्र सुनिश्चित नहीं कर सका।
- भारत ने उन देशों को लाभ देने से बचने के लिए निवेश अध्याय से सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र के दायित्वों को बाहर करने की मांग की, जिनके साथ उसके सीमा विवाद हैं।
- भारत को चिंता थी कि आरसीईपी उसे रक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अन्य देशों को दिए जाने वाले लाभ देने के लिए मजबूर करेगा।
- आरसीईपी पर हस्ताक्षर करने से भारत के मूल मानदंडों के नियमों में हेराफेरी हो सकती है।
- आरसीईपी ने भारत को विभिन्न देशों से माल के एक महत्वपूर्ण प्रतिशत पर टैरिफ को खत्म करने की आवश्यकता दी, जिससे संभावित रूप से आयात सस्ता हो जाएगा।
- नीति आयोग की पिछली रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया था कि कम एफटीए उपयोग के साथ मुक्त व्यापार समझौतों ने भारत के लिए अच्छा काम नहीं किया है।
- रबर, डेयरी और सेवा व्यापार जैसे विशिष्ट उद्योगों को आरसीईपी के तहत चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

(नोट: "विलफुल डिफॉल्ट्स और एनपीए" को कल कवर किया जाएगा)

NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व खाद्य दिवस

विश्व खाद्य दिवस के बारे में:

- विश्व खाद्य सुरक्षा और भूख उन्मूलन प्रयासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है।
- पहली बार नवंबर 1979 में, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के सदस्य देशों ने 1981 से 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।
- **थीम:** 2023 में विश्व खाद्य दिवस की थीम है **"जल ही जीवन है, जल ही भोजन है, किसी को पीछे न छोड़ें।" ("Water is life, water is food. Leave no one behind.")**

सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी):

- एसडीजी 1 का लक्ष्य 2030 तक अत्यधिक वैश्विक गरीबी को खत्म करना है।
- SDG 2 भुखमरी ख़त्म करने, खाद्य सुरक्षा में सुधार और पोषण बढ़ाने पर केंद्रित है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

- संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी, खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने 1945 में विश्व खाद्य दिवस की स्थापना की थी।
- 1979 में संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक मान्यता के बाद 150 देशों ने इसे मनाया।

विश्व खाद्य पुरस्कार की उत्पत्ति:

- विश्व खाद्य पुरस्कार की स्थापना 1987 में जनरल फूड्स कॉर्प के प्रारंभिक समर्थन से की गई थी।
- यह खाद्य सुरक्षा और कृषि प्रगति में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

हाल ही में, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिज़र्व को ब्रिटिश काल के एक वन अधिकारी को श्रद्धांजलि के साथ फिर से खोला गया, जिन्होंने इसे शिकारियों के प्रभाव के मुक्त कर दिया था।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान असम राज्य में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 42,996 हेक्टेयर (हेक्टेयर) है।
- यह ब्रह्मपुत्र घाटी के बाढ़ क्षेत्र में सबसे बड़ा अरक्षित क्षेत्र है।
- इसे 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था।
- इसे 2007 में बाघ अभयारण्य के रूप में नामित किया गया था।
- इसे 1985 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।

वनस्पति: यह राष्ट्रीय उद्यान अपने जल निकायों में आंवला, कपास के पेड़, हाथी सेब (**Elephant apple**) और प्रचुर जलीय वनस्पतियों को संरक्षित करता है।

जीव-जंतु: यह पार्क एक सींग वाले गैंडे, हाथियों, जंगली भैंसों, दलदली हिरण और बाघों आदि का निवास स्थान है।

- 2014 की बाघ जनगणना के अनुसार, काजीरंगा में अनुमानित 103 बाघ थे, जो भारत के किसी एक संरक्षित क्षेत्र में तीसरी सबसे अधिक आबादी है।

असम में अन्य राष्ट्रीय उद्यान: असम कई अन्य राष्ट्रीय उद्यानों का भी घर है, जिनमें डिब्रू-सैखोवा राष्ट्रीय उद्यान, मानस राष्ट्रीय उद्यान, नामेरी राष्ट्रीय उद्यान और राजीव गांधी ओरंग राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।

एस्टिवेसन

एस्टिवेसन (Estivation) क्या है?

- एस्टिवेसन एक जैविक घटना है जहां एक जानवर सुप्तावस्था या निष्क्रियता की लंबी अवधि में प्रवेश करता है।
- यह उच्च तापमान या सूखे जैसी स्थितियों की प्रतिक्रिया में होता है, जो जीवित रहने की रणनीति के रूप में कार्य करता है।

एस्टिवेसन का उद्देश्य:

- एस्टिवेसन चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों के दौरान जानवरों को ऊर्जा और पानी बचाने में मदद करता है।
- एस्टिवेसन के दौरान जानवर ठंडी भूमिगत बिलों, दरारों या कोकून में आश्रय तलाशते हैं।

शुष्कता से सुरक्षा:

- एस्टिवेसन शुष्कता को रोकने में भी मदद करता है।
- यह शिकारियों द्वारा शिकार के जोखिम को कम करता है।

एस्टिवेटिंग प्रजातियों के उदाहरण:

- पश्चिम अफ्रीकी लंगफ़िश (प्रोटोप्टेरस एनेक्टेंस) सूखे के दौरान सूखी मिट्टी में डूब जाती है और बलगम का एक कोकून स्रावित करती है।
- रेगिस्तानी कछुए (गोफेरस अगासिज़ी) गर्मी के महीनों के दौरान बिल खोदते हैं और उसमें वास करते हैं।
- कई ज़मीनी घोंघे अपने आप को एक म्यूकस प्लग से अपने खोल में बंद कर लेते हैं और बाहरी परिस्थितियों में सुधार होने तक निष्क्रिय रहते हैं।

पाक जलडमरूमध्य

हाल ही में, भारत और श्रीलंका ने बेहतर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए पाक जलडमरूमध्य में एक नौका सेवा शुरू की।

पाक जलडमरूमध्य के बारे में:

- यह तमिलनाडु, भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है।
- इसका नाम ब्रिटिश राज के दौरान मद्रास प्रेसीडेंसी के पूर्व गवर्नर रॉबर्ट पाल्क के नाम पर रखा गया था।
- यह पंबन द्वीप, एडम ब्रिज (राम ब्रिज), मन्नार की खाड़ी और मन्नार द्वीप से घिरा है।
- यह उत्तर-पूर्व में बंगाल की खाड़ी को दक्षिण-पश्चिम में मन्नार की खाड़ी से जोड़ता है।
- दक्षिण पश्चिम भाग को पाक खाड़ी कहा जाता है।
- इसमें तमिलनाडु की **वैगई नदी** सहित कई नदियों का मुहाना है।
- जाफना का बंदरगाह, उत्तरी श्रीलंका का वाणिज्यिक केंद्र, पाक जलडमरूमध्य पर स्थित है।

एडम ब्रिज (राम सेतु) के बारे में:

- पंबन द्वीप, तमिलनाडु और मन्नार द्वीप, श्रीलंका के बीच चूना पत्थर की चट्टानों की श्रृंखला में स्थित है।
- इसमें कुछ रेत के सूखे टीले हैं और क्षेत्र में उथला पानी (1 से 10 मीटर) है, जिससे नेविगेशन में बाधा आ रही है।
- ऐसा माना जाता है कि इसका निर्माण टेक्टोनिक गतिविधियों और मूंगों में रेत के फंसने के कारण हुआ है।
- हिंदू पौराणिक कथाओं में इसे भगवान राम के पुल के रूप में और इस्लामी किंवदंती में एडम के पुल के रूप में महत्व दिया गया है।

परागण

हाल ही में, एक अध्ययन से पता चला है कि कीट परागणकों में उल्लेखनीय गिरावट के कारण कॉफी, कोको, तरबूज और आम सहित उष्णकटिबंधीय फसलें खतरे में हैं।

परागणकों के बारे में:

- ये परागणक जीव हैं,जिसमें मधुमक्खियाँ, तितलियाँ, पक्षी और चमगादड़ शामिल हैं, जो फूलों के नर भागों से मादा भागों तक पराग के स्थानांतरण की सुविधा प्रदान करते हैं, जिससे पौधों के प्रजनन में सहायता मिलती है।
- वे कई खाद्य फसलों सहित फूलों के पौधों के निषेचन और प्रजनन को सुनिश्चित करके कृषि और पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- विश्व के लगभग 75% फूल वाले पौधे और विश्व की लगभग 35% खाद्य फसलें प्रजनन के लिए परागणकों पर निर्भर हैं।

	परागणकों के प्रकार: परागणकों में विभिन्न प्रकार की प्रजातियाँ शामिल हैं, जैसे मधुमक्खियाँ, तितलियाँ, पतंगे, पक्षी, चमगादड़ और यहाँ तक कि कुछ स्तनधारी भी। **परागणकों में गिरावट:** परागणकों, विशेष रूप से मधुमक्खियों, को निवास स्थान की हानि, कीटनाशकों के उपयोग, जलवायु परिवर्तन और बीमारी जैसे कारकों के कारण जनसंख्या में गिरावट का सामना करना पड़ रहा है।
प्रोटिस्टों 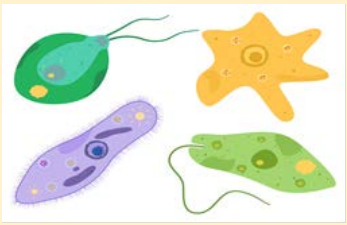	**प्रोटिस्टों (Protists) के बारे में:** ➢ प्रोटिस्ट विविध जीवों का एक समूह है जो जानवरों, पौधों, बैक्टीरिया या कवक जैसी पारंपरिक श्रेणियों में समाहित नहीं होते हैं। ➢ पौधों, जानवरों और कवक के बीच सामान्य पैतृक संबंध माना जाता है। ➢ प्रोटिस्ट एक केन्द्रक और झिल्ली-बद्ध अंग एलीस वाले यूकेरियोट्स हैं। ➢ ये अधिकांश एककोशिकीय हैं, लेकिन कुछ विशेष ऊतकों या अंगों के बिना बहुकोशिकीय हैं। ➢ ऑक्सीजन रहित वातावरण को छोड़कर, अधिकांश प्रोटिस्टों में ऊर्जा उत्पादन के लिए माइटोकॉन्ड्रिया होता है। **पर्यावास:** मुख्यतः,ये मीठे पानी, समुद्री और यहां तक कि नम मिट्टी जैसे जलीय वातावरण में पाए जाते हैं। **पारिस्थितिक भूमिका:** कई प्रोटिस्ट, जैसे कि शैवाल, पारिस्थितिक तंत्र में प्रकाश संश्लेषक और महत्वपूर्ण प्राथमिक उत्पादक हैं। **रोग-कारक**: कुछ प्रोटिस्ट, जैसे मलेरिया और नींद की बीमारी पैदा करने वाले, गंभीर मानव रोगों के लिए जिम्मेदार हैं।
समाचार में स्थान **बाल्टिक सागर**	हाल ही में, फिनलैंड ने बाल्टिक-कनेक्टर गैस पाइपलाइन की संदिग्ध तोड़फोड़ की जांच शुरू की है, यह फिनलैंड को एस्टोनिया से जोड़ती है। **बाल्टिक-कनेक्टर गैस पाइपलाइन:** ➢ बाल्टिक-कनेक्टर गैस पाइपलाइन फिनलैंड की गैस आपूर्ति बुनियादी ढांचे का एक महत्वपूर्ण घटक है। ➢ यह ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाते हुए फिनलैंड को एस्टोनिया से जोड़ता है। **वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत:** पाइपलाइन व्यवधान की स्थिति में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिनलैंड के पास वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों तक पहुंच है। **बाल्टिक सागर:** ➢ बाल्टिक सागर अटलांटिक महासागर की एक शाखा है। ➢ यह डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, जर्मनी, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, रूस, स्वीडन और अन्य सहित कई देशों से घिरा हुआ है। ➢ यह स्कैंडिनेवियाई प्रायद्वीप को शेष महाद्वीपीय यूरोप से अलग करता है।
समाचार में व्यक्तित्व **बंदा सिंह बहादुर**	**बंदा सिंह बहादुर (1670 – 1716)** ➢ उनके बचपन का नाम **लछमन देव** था। ➢ 15 साल की उम्र में, उन्होंने हिंदू संन्यासी बनने के लिए घर छोड़ दिया और उनका नाम **"माधो दास"** रखा गया। **सिख धर्म में रूपांतरण:** ➢ उन्होंने नांदेड़ में एक मठ की स्थापना की, जहां वे 1708 में गुरु गोबिंद सिंह के शिष्य बन गए। ➢ गुरु गोबिंद सिंह ने उनका नाम बदलकर **"बंदा बहादुर"** रख दिया। **नेतृत्व और संघर्ष:** ➢ उन्होंने खंडा, सोनीपत में एक लड़ाकू बल इकट्ठा किया। ➢ उन्होंने मुगल साम्राज्य के खिलाफ एक महत्वपूर्ण संघर्ष का नेतृत्व किया। **प्रमुख कार्रवाई:** ➢ उनकी पहली बड़ी कार्रवाई नवंबर 1709 में मुगल प्रांतीय राजधानी, समाना (**Samana**) को बर्खास्त करना था। **प्रशासनिक सुधार:** ➢ पंजाब में अपना अधिकार और खालसा शासन स्थापित करने के बाद उन्होंने जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया। ➢ उन्होंने भूमि सुधारों की शुरुआत करते हुए भूमि जोतने वालों को संपत्ति का अधिकार प्रदान किया।

POINTS TO PONDER

- NSDE ने खुदरा कौशल विकास कार्यक्रम के लिए किस कंपनी के साथ साझेदारी की है? - **कोका कोला**
- किस कंपनी ने नौकरी के बदले रिश्वत घोटाले में लिप्त होने के कारण अपने कर्मचारियों को निकाल दिया है? - **टीसीएस**
- इजराइल से भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने के लिए भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन का नाम क्या है? - **ऑपरेशन अजय**
- हाल ही में खबरों में रहा, विझिनजाम अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाह किस राज्य में है? - **केरल**
- प्रस्तावित 'वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी' का नाम क्या है? - **अपार (Automated Permanent Academic Account Registry - APAAR)**